अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस, 2018

वन उत्पादकता संस्थान,रांची 22.05.2018

अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस ,2018 के अवसर पर संस्थान द्वारा दिनांक 21.05.2018 को जैव विविधता, वन पर्यावरण सबंधित विषय पर रांची जिले के विभिन्न विद्यालयों के छात्रों को (वर्ग एक से लेकर बारहवीं वर्ग तक) चित्रकला एवं कविता पाठ प्रतियोगिता का कार्यक्रम आयोजित किया गया| इस कार्यक्रम में रांची जिले के लगभग 15 विद्यालयों से करीबन 75 छात्र - छात्रायें ने प्रतियोगिता में भाग लिया |

संस्थान के द्वारा दिनांक 22.05.2018 को पूर्वाहन में बिभिन्न विद्यालयों के बच्चों को संस्थान के परिसर में Nature walk पर ले जाया गया एवं संस्थान के सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी श्री रवी शंकर प्रसाद ने बच्चों को परिसर के अन्दर लगे पेड़, वन प्रजाति बृक्ष एवं औषधीय पौध "Know the Trees" के तहत जानकारी से अवगत कराया|

संस्थान के निदेशक डा. नितिन कुलकर्णी ने दिनांक 22.05.2018 अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस, 2018 के अवसर पर मुख्य अथिति डा. नितीश प्रियदर्शी, पर्यावरणविद का स्वागत किया | डा. प्रियदर्शी ने राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता विषय पर सरल भाषा में अपने विचारों को प्रस्तुती दी एवं वन पर्यावरण तथा जैव विविधता के घट ते क्रम के बारे में अपना विचार प्रस्तुत किया | आमंत्रित मुख्य वक्ता ने कहा कि जैव विविधता बनाये रखने हेतु वनो एवं जीव - जंतुओं के बीच की आपस की कड़ी (food chain and food web) बनाये रखना अति-आवश्यक है ।

संस्थान के निदेशक, डा. नितिन कुलकर्णी ने जैव विविधता सिमटने पर चिंता जाहिर की | वनों के सिमटने से जंगली जानवर एवं पक्षी पलायन कर जाते हैं| अव्यवस्थित रूप से जंगलों के पेड़-पौधे तथा जड़ी बूटियों की कटाई करना खदान बनाना, पानी संग्रहण की कुव्यवस्था आदि भी जैव विविधता के ह्रास को दर्शाता है| डा. नितिन कुलकर्णी ने जैविविधता एवं वनों से संबंधित विषयों को गुजरात के गिर एवं मध्यप्रदेश के कान्हा पार्क के बारे में उदाहरण देते हुए जानकारी दी| निदेशक महोदय ने इस कार्यक्रम में युवाओ को पर्यावरण संरक्षण क़े प्रति अपनी जिम्मेवारी निभाने पर बल दीया । इस कार्यक्रम मे बिभिन्न विद्यालयों से आये बच्चों ने संभाषण में भाग लिया| इन्होने कहा कि जैव विविधता कमी, वनों का सिमटना एवं पर्यावरण दूषित का भागीदारी मानव ही इसका कारण है| हम सबों को सुनिश्चित करना है की जैव विविधता एवं

वनों में बढोतरी कैसे करें| इसके लिए अधिक से अधिक पेड़ पौधों को लगाना एवं उनकी सुरक्षा तथा जीव जंतुओं को बचाने के लिए आमलोगो में जागरूकता लानी होगी| “पर्यावरण सुरक्षित है तो पृथ्वी सुरक्षित है,पृथ्वी सुरक्षित है तो जन मानस एवं जीव जन्तु सुरक्षित हैं”| दिनांक २२.०५.२०१८ के कार्क्रम का संचालन विस्तार प्रभाग के प्रभागाध्यक्ष डा.संजय सिंह द्वारा किया गया | प्रतिभागी में सफल एवं चयनित बच्चों को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र दिया गया एवं उनके भविष्य की उज्जवल कामना की गयी|

दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस,२०१८ के कार्यक्रम में श्रीमती रूबी सु साना कुजुर वैगानिक सी., श्री एस. एन. वैद्य, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी, श्री एस. एन. मिश्रा, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी, श्री निसार आलम, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी, श्री बी. डी.पंडित,तकनीकी अधिकारी,एवं श्री बसंत कुमार सहायक तकनीकी ने अपना योगदान दिया| डा. शरद तिवारी,अनुसंधान समन्वयक ने जैव विविधता पर विशेष जानकारी दी तथा सबों को धन्यवाद ज्ञापन दिया|

INTERNATIONAL DAY FOR
BIOLOGICAL DIVERSITY
"CELEBRATING 25 YEARS OF ACTION FOR BIODIVERSITY"
22nd MAY, 2018
"KNOW THE TREES"
NATURE WALK
(INDIAN COUNCIL OF FORESTRY RESEARCH & EDUCATION)
RANCHI – GUMLA –NH-23, P.O. LALGUTWA, RANCHI-835303,JHARKHAND

INSTITUTE OF FOREST PRODUCTIVITY
DR. S. C. GAIROLA, IFS

चित्र कला में भाग लेते विद्यार्थी एव अवलोकन करते संस्थान निदेशक तथा अधिकारी

कविता पाठ में भाग लेते विद्यार्थी तथा अवलोकन करते मुख्य अतिथि ,संस्थान के निदेशक एव अधिकारीगण

चयनित प्रतिभागियो को प्रमाण पत्र वितरन

मुख्य अतिथि को सम्मानित करते संस्थान के निदेशक

संस्थान के निदेशक को सम्मानित करते अनुसंधान सम्न्वय्क समुह

निदेशक और मुख्य अतिथि चित्रकला का अवलोकन करते हुए

दैनिक जागरण

पर्यावरण संरक्षण की जिम्मेदारी लें युवा

स्वरचित कविता का पाठ करते विद्यार्थी • जागरण

संवाद सूत्र, पिस्कानगड़ी : वन उत्पादकता संस्थान, लालगुटवा, रांची में मंगलवार को 25वें जैव विविधता दिवस के अवसर पर रांची शहर के विभिन्न विद्यालयों से आए हुए छात्रों ने चित्रकला एवं स्वरचित कविता पाठ प्रतियोगिता में भाग लिया। मंगलवार को विश्व जैव विविधता दिवस की 25वीं वर्षगांठ को मनाते हुए संस्थान के निदेशक डॉ. नितिन मदन कुलकर्णी ने बताया कि व्यक्ति, वन, वृक्ष, एवं जीवों का परिवेश ही पर्यावरण है। प्रकृति में रहने के लिए जैव विविधता का होना नितांत आवश्यक है। स्थानीय जीव एवं पर्यावरण को संरक्षित करके ही हम जैव विविधता को कायम रख सकते हैं। उन्होंने बताया कि आज के बच्चों एवं युवाओं को पर्यावरण संरक्षण की जिम्मेवारी अपने कंधों पर लेनी होगी। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. संजय सिंह ने संचालन किया। कार्यक्रम में संस्थान के वैज्ञानिकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सक्रिय भागीदारी की तथा विभिन्न विद्यालयों से आए हुए छात्रों को संस्थान में स्थित लीड गार्डन में प्रकृति की सैर कराई गई। बच्चों को विभिन्न वृक्षों, पादपों एवं पक्षियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। समारोह के अंत में संस्थान के निदेशक डॉ. नितिन मदन कुलकर्णी ने छात्रों के बीच पुरस्कार का वितरण किया। चित्रकला प्रतियोगिता में आठवीं कक्षा तक के वर्ग में जवाहर विद्या मंदिर विद्यालय की दीपिका रानी को प्रथम, दिल्ली पब्लिक स्कूल के शुभम सस्मल को द्वितीय एवं सेक्रेट हर्ट विद्यालय की मलसी सिंह को तृतीय पुरस्कार मिला। नवम से बारहवीं तक के विद्यार्थियों में दिल्ली पब्लिक स्कूल के वेद वत्सल को प्रथम, लारोटो कांवेंट की आन्या प्रसाद को द्वितीय एवं डीएवी पुन्दाग की अंकिता कुमारी को तृतीय पुरस्कार मिला।

दैनिक भास्कर

बच्चे और युवा पर्यावरण संरक्षण की जिम्मेवारी अपने पर लें : डॉ. कुलकर्णी

पिस्का नगड़ी | वन उत्पादकता संस्थान, लाल गुटवा में मंगलवार को 25वें जैव विविधता दिवस पर आयोजित चित्रकला व स्वरचित कविता पाठ प्रतियोगिता में राजधानी के कई स्कूलों के बच्चों ने भाग लिया। निदेशक डॉ. नितिन मदन कुलकर्णी ने छात्रों को बताया कि व्यक्ति, वन, वृक्ष और जीवों का परिवेश ही पर्यावरण है। प्रकृति में रहने के लिए जैव विविधता का होना नितांत आवश्यक है। स्थानीय जीव एवं पर्यावरण को संरक्षित करके ही हम जैव विविधता को कायम रख सकते हैं। उन्होंने कहा कि आज के बच्चों एवं युवाओं को पर्यावरण संरक्षण की जिम्मेवारी अपने कंधों पर लेनी होगी। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. संजय सिंह ने कार्यक्रम का संचालन किया। कार्यक्रम में संस्थान के वैज्ञानिकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने बच्चों को संस्थान के लीड गार्डन का सैर कराया। निदेशक ने छात्रों को पुरस्कृत किया। चित्रकला प्रतियोगिता में आठवीं तक के वर्ग में जेवीएम की दीपिका रानी को प्रथम, डीपीएस के शुभम शमल को द्वितीय एवं सेक्रेट हार्ट स्कूल की मलसी सिंह को तृतीय पुरस्कार मिला। नौवीं से 12वीं तक के वर्ग में डीपीएस के वेद वत्सल को प्रथम, लॉरेटो कॉन्वेंट की आन्या प्रसाद को द्वितीय व डीएवी पुंदाग की अंकिता कुमारी को तृतीय पुरस्कार मिला।